

केन्द्रीय विद्यालय तिरुमलगिरि

कक्षा : 12 वीं

HOLI DAY HOMEWORK 2018

विषय: हिंदी

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं, जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। "सुख-दुःख, सफलता-असफलता, शान्ति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।" जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक यू द हीलर में लिखते हैं कि मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।

दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केन्द्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज़ पर भी अपना ध्यान केन्द्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे, तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे, तो भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि "जीतना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी एक आदत ही है।"

(क) दबाव में काम करने के नकारात्मक प्रभाव समझाइए।

(ख) दबाव हमारी सफलता का कारण कब और कैसे बन सकता है?

(ग) दबाव में सकारात्मक सोच क्या हो सकती है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) काम करने की प्रक्रिया में मन, मस्तिष्क और शरीर के संबंध को समझाइए।

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए: "जीतना एक आदत है, पर अफसोस हारना भी आदत ही है।"

(च) गद्यांश के केन्द्रीय भाव को लगभग 20 शब्दों में लिखिए।

(छ) अपनी क्षमताओं को जगाने में या समस्याओं को बड़ा महसूस करने में हमारी सोच की क्या भूमिका है?

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मन-दीपक निष्कंप जलो रे !

सागर की उत्ताल तरंगें,

आसमान को छू-छू जाँ

डोल उठे डगमग भूमंडल
अग्निमुखी ज्वाला बरसाए
धूमकेतु बिजली की द्युति से,
धरती का अंतर हिल जाए
फिर भी तुम ज़हरीले फन को
कालजयी बन उसे दलो रे !

कदम कदम पर पत्थर, काँटे
पैरों को छलनी कर जाएँ
श्रान्त-क्लान्त करने को आतुर
क्षण-क्षण में जग की बाधाएँ
मरण गीत आकर गा जाएँ
दिवस-रात, आपद-विपदाएँ

फिर भी तुम हिमपात तपन में
बिना आह चुपचाप जलो रे !

- (क) कविता किसे संबोधित है और उसे क्या करने को कहा गया है?
(ख) कालजयी बनकर कैसी बाधाओं का दलन करने को कहा गया है?
(ग) पत्थर, काँटे किसके प्रतिक हैं? वे क्या कर सकते हैं?
(घ) धरती का अंतर कैसे, क्यों हिल जाता है?
(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए: "मन-दीपक निष्कंप जलो रे"

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए।

- (क) मनोरंजन की दुनिया
(ख) आतंकवाद : एक समस्या
(ग) भारतीय समाज में नारी का स्थान
(घ) हड़ताल से नुकसान

4. नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए कि आपके इलाके में सडकों पर वर्षा का बहुत सा पानी जमा है, जिससे मलेरिया, डेंग्यू जैसी बीमारियाँ फैलने का खतरा है।

अथवा

दूरदर्शन के प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखिए और अपने सुझाव भी दीजिए।

5. "बढ़ती आबादी देश की बरबादी" अथवा "गाँवों से पलायन करते लोग" विषय पर एक फीचर लिखिए।

6 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संचार की प्रक्रिया में फीडबैक का क्या आशय है?

(ख) जनसंचार के प्रमुख कार्य क्या हैं?

(ग) भारत की पहली बोलती फ़िल्म कौन-सी है और वह कब बनी?

(घ) पेज-श्री पत्रकारिता से क्या आशय है?

(ङ) समाचार माध्यमों में डेड लाइन का क्या आशय है?